

# डैनियल की पुस्तक - संख्या एक सौ पचहत्तर

महिमामय मसीह: दानियेल और प्रकाशितवाक्य में भविष्यसूचक समानताएँ

Jeff Pippenger

2024-04-05

दानियेल के दसवें अध्याय में मसीह का दर्शन वही दर्शन है जिसे यूहन्ना ने प्रकाशितवाक्य में देखा था। यह "marah" दर्शन था, जो "mareh"—मसीह के आविर्भाव—के दर्शन की स्त्रीलिंग अभिव्यक्ति है। "Mareh" तेईस सौ वर्षों का दर्शन है, और इसका मुख्य अर्थ "आविर्भाव" है। दानियेल और यूहन्ना दोनों के साथ मसीह का यह "आविर्भाव" दोनों ही महिमामय मसीह के दर्शन थे।

और पहले महीने के चौबीसवें दिन, जब मैं उस महान नदी के तट पर था, जो हिदेकेल है; तब मैंने अपनी आँखें उठाई और देखा, कि सूक्ष्म सन के वस्त्र पहने हुए एक पुरुष था, जिसकी कमर ऊफाज़ के उत्तम सोने से बँधी हुई थी। उसका शरीर भी बेरिल रत्न के समान था, और उसका मुख बिजली के समान चमकता था, और उसकी आँखें आग के दीपकों जैसी थीं, और उसकी भुजाएँ और उसके पाँव चमकाए हुए पीतल के रंग के समान थे, और उसके वचनों की आवाज़ बहुतों की आवाज़ के समान थी। दानियेल 10:4-6.

"mareh" शब्द, जिसका अर्थ "रूप" है, उस अनुच्छेद में "बिजली का रूप" के रूप में अनुवादित किया गया है। यह शब्द दसवें अध्याय में चार बार आता है; उनमें से दो बार इसका अनुवाद "दर्शन" और दो बार "रूप" किया गया है। यह अपने स्त्रीलिंग रूप में अन्य तीन बार प्रयुक्त हुआ है। "marah" शब्द "रूप" वाले "दर्शन" का स्त्रीलिंग रूप है। इसे "दर्पण" के रूप में परिभाषित किया गया है, और यह एक "कारक" क्रिया-विशेषण है, जो देखे जाने पर किसी बात के घटित होने का कारण बनता है।

कारक क्रिया-विशेषण वह होता है जो ऐसे विशेषण से व्युत्पन्न होता है जो किसी घटना को होने का कारण बने या कोई प्रभाव उत्पन्न करे। भाषा और व्याकरण में, यह प्रायः उन क्रियाओं या संरचनाओं का उल्लेख करता है जो किसी व्यक्ति या वस्तु से कोई कार्य करवाने या किसी अवस्था का अनुभव कराने की धारणा व्यक्त करती हैं।

उदाहरण के लिए, वाक्य "She made him laugh" में "made" क्रिया प्रेरणार्थक है क्योंकि यह दर्शाती है कि कर्ता (she) ने कर्म (him) से वह क्रिया (हँसना) करवाई।

"मैंने अपनी कार की मरम्मत करवाई।" (इस वाक्य में, कर्ता "मैं" ने कार की मरम्मत किसी और से करवाई।)

उसने अपने छात्रों से परीक्षा के लिए पढ़ाई करवाई। (यहाँ, कर्ता "She" ने अपने छात्रों से परीक्षा के लिए पढ़ाई करने की क्रिया करवाई।)

उसने अपने बाल कटवाए।

कंपनी ने इमारत का नवीनीकरण करवाया।

"हम बच्चों से घर के कामों में मदद करवाएँगे।" (यहाँ, कर्ता "We" बच्चों से घर के कामों में मदद करवाने का इरादा रखते हैं।) इन प्रत्येक उदाहरणों में, प्रेरणार्थक क्रियाएँ (had, made, got, get) यह दर्शाती हैं कि कर्ता मुख्य क्रिया (repaired, study, cut, renovated, help) द्वारा निर्दिष्ट कार्य किसी और से करवाता है।

रूप का "mareh" दर्शन, जब इसे स्त्रीलिंग रूप "marah" में व्यक्त किया जाता है और "दर्पण" के रूप में परिभाषित किया जाता है, तो यह इंगित करता है कि महिमामंडित मसीह का दर्शन उसे निहारने वालों में प्रतिबिंबित हो जाता है। जब दानियेल ने मसीह के "रूप" को बिजली के समान देखा, तो लोगों का एक वर्ग भय से भाग गया,

परन्तु दानिय्येल के लिए इससे उसके भीतर एक चमत्कारिक परिवर्तन उत्पन्न हुआ।

और मैं, दानिय्येल, अकेला ही उस दर्शन को देख रहा था; क्योंकि जो पुरुष मेरे संग थे, उन्होंने उस दर्शन को नहीं देखा; परन्तु उन पर बड़ा भय छा गया, और वे छिपने के लिए भाग गए। इस कारण मैं अकेला रह गया और मैंने यह बड़ा दर्शन देखा, और मुझ में कोई शक्ति न रही; क्योंकि मेरा रूप-रंग मेरे भीतर बिगड़ कर कुरूपता में बदल गया, और मुझ में कोई बल न ठहरा। दानिय्येल 10:7, 8.

सत्य को इब्रानी शब्द "सत्य" द्वारा निरूपित किया गया है, जो इब्रानी वर्णमाला के प्रथम, तेरहवें और अंतिम अक्षर से निर्मित है। प्रथम अक्षर और अंतिम अक्षर मसीह के लिए सदैव एक ही अर्थ रखते हैं, क्योंकि अल्फा और ओमेगा के रूप में वह सदैव आदि के साथ अंत का प्रतिनिधित्व करता है। मध्य या तेरहवाँ अक्षर विद्रोह का प्रतिनिधित्व करता है। दानिय्येल कहता है, "मैं, दानिय्येल, अकेला ही उस दर्शन को देखा," परन्तु जो पुरुष दानिय्येल के साथ थे, जो विद्रोह में जी रहे थे, उन्होंने "उस दर्शन को न देखा।" इसलिए दानिय्येल ने "अकेले" ही "उस बड़े दर्शन" को देखा। आरम्भ में और अंत में दानिय्येल ने अकेले ही दर्शन देखा, और दूसरे उल्लेख ने उन लोगों के पलायन के द्वारा उनके विद्रोह को प्रकट कर दिया। दानिय्येल अंतिम दिनों में परमेश्वर की उस प्रजा का प्रतिनिधित्व करता है, जो उसकी छवि का निहारते रहने की प्रक्रिया के द्वारा मसीह की प्रतिमा के अनुसार परिवर्तित की जाती है। हमें "दर्पण" वाले दर्शन को देखना है।

हमें परमेश्वर का ज्ञान जीवंत अनुभव से होना चाहिए। यदि हम प्रभु को जानने के लिए आगे बढ़ते रहें, तो हम यह जानेंगे कि उसका निकलना प्रभात के समान निश्चित है। मसीह हमें बुलाता है कि हम परमेश्वर की सारी परिपूर्णता से परिपूर्ण हो जाएँ। तब हम वास्तव में मसीही धर्म की सिद्धता का प्रतिनिधित्व कर सकते हैं। 'जो कोई उस जल में से पिएगा जो मैं उसे दूँगा,' उद्धारकर्ता घोषणा करता है, 'वह फिर कभी प्यासा न होगा; परन्तु जो जल मैं उसे दूँगा, वह उसके भीतर एक सोता बन जाएगा, जो अनन्त जीवन के लिये उमड़ता रहेगा।' मसीह चाहता है कि हम उसके साथ सह-श्रमिक बनें। जब हम अपने आप से खाली हो जाते हैं, तो वह हमें अपना अनुग्रह देगा ताकि हम उसे दूसरों तक बाँट सकें। वे दो जैतून की डालियाँ, जो दो सुनहरी नलियों के द्वारा अपने में से सुनहरा तेल उंडेलती हैं, निश्चय ही शुद्ध किए हुए पात्रों को, आवश्यकता में पड़े लोगों के लिए, प्रकाश, सात्वना, आशा और प्रेम से भर देंगी। हमें परमेश्वर की सेवा केवल छिटपुट रूप से नहीं करनी चाहिए। परन्तु हम यह तभी कर सकते हैं जब हम यीशु से सीखें, और उसकी नम्रता व दीनता को हृदय में संजोएँ। आओ, हम अपने आप को परमेश्वर में छिपाएँ। आओ, हम उस पर भरोसा रखें। आओ, हम मसीह में बने रहें। तब हम सब 'उघड़े मुख से दर्पण में प्रभु की महिमा निहारते हुए, उसी प्रतिमा में रूपान्तरित होते जाते हैं—महिमा से महिमा तक,'—चरित्र से चरित्र। परमेश्वर आप से या मुझ से असम्भवताओं की अपेक्षा नहीं करता। उसे निहारते हुए, हम उसके स्वरूप में रूपान्तरित हो सकते हैं। Signs of the Times, 25 अप्रैल, 1900.

दानिय्येल के अध्याय दस और अध्याय नौ में, जिब्राएल भविष्यद्वाणी के बाह्य और आंतरिक दर्शनों की व्याख्या दानिय्येल को प्रदान करता है, और अध्याय दस के पद एक में दानिय्येल का पहला कथन यह है कि उसे दोनों दर्शनों की समझ थी, जिन्हें "वचन" और "दर्शन" के रूप में निरूपित किया गया है। उसे वह समझ उन इक्कीस दिनों के अंत में प्राप्त हुई, जिनमें वह शोक करता रहा था। उन इक्कीस दिनों का समापन प्रधानदूत मीकाएल के आगमन के साथ हुआ। संख्या दो सौ बीस, और संख्या बाईस—जो दो सौ बीस का दसवाँ भाग अथवा दशमांश है—दैवत्व और मनुष्यता के संयोग का एक प्रतीक है, और बाईसवें दिन दानिय्येल मसीह की प्रतिमा में परिवर्तित कर दिया गया।

मैंने स्वादिष्ट भोजन नहीं खाया; न तो मांस और न ही दाखमधु मेरे मुख में आया; और मैंने तन पर तेल भी नहीं लगाया, जब तक तीन पूरे सप्ताह पूरे न हो गए। और पहले महीने के चौबीसवें दिन, जब मैं उस महान नदी, जिसका नाम हिदेकेल है, के किनारे था, तब मैंने अपनी आँखें उठाई और देखा; और देखो, एक मनुष्य, जो सन के वस्त्र पहने हुए था, जिसकी कटि उफाज़ के शुद्ध सोने से कसी हुई थी। दानिय्येल 10:3-5.

दानिय्येल परमेश्वर की अंतिम दिनों की उस प्रजा का प्रतिनिधित्व करता है, जिसने परमेश्वर के भविष्यद्वाणी संबंधी वचन के द्वारा यह पहचान लिया है कि वे तितर-बितर कर दिए गए हैं, और जो अपनी तितर-बितर अवस्था पर विलाप

कर रहे हैं तथा प्रकाश की खोज कर रहे हैं। उनकी तितर-बितर अवस्था को यहजेकेल अध्याय सैंतीस में मरी हुई सूखी हड्डियों की एक तराई के रूप में चित्रित किया गया है। वे हड्डियाँ मरी हुई हैं, और वे बिखरी हुई हैं, परन्तु उनकी पहचान इस्राएल के घराने के रूप में की गई है। अंतिम दिनों का इस्राएल का घराना एक लाख चवालीस हजार है। वे तितर-बितर हैं, ठीक वैसे ही जैसा दानिय्येल ने यिर्मयाह और मूसा की पुस्तकों से पहचान लिया था। यहजेकेल में मरे हुए होने का अर्थ यह है कि वे अपनी अवस्था को पहचानते हैं।

तब उसने मुझ से कहा, हे मनुष्य-पुत्र, ये हड्डियाँ इस्राएल के सारे घराने की हैं; देख, वे कहते हैं, 'हमारी हड्डियाँ सूख गई हैं, और हमारी आशा जाती रही है; हम सर्वथा नाश हो गए हैं।' यहजेकेल 37:11.

इस्राएल का घराना, जो हड्डियाँ हैं, यह घोषणा करता है कि "हम अपने हिस्सों से कट गए हैं।" उन्होंने अपनी बिखरी हुई अवस्था को पहचान लिया है। अंतिम दिनों का इस्राएल का घराना दस कन्याओं के दृष्टान्त को अक्षरशः पूरा करता है, और मिलराइट इतिहास में यह पूर्ति, कि उन्होंने यह पहचाना कि वे अपने हिस्सों से कट गए थे, तब पहचानी गई जब बुद्धिमान कन्याओं ने यह समझ लिया कि वे विलंब के समय में हैं, और यह भी कि वह विलंब का समय उसी दृष्टान्त की एक विशिष्ट अवधि थी। यहजेकेल में जो अपनी बिखरी हुई स्थिति को पहचानते हैं, वे वही हैं जिन्होंने पहली निराशा के बाद यह पहचाना कि वे विलंब के समय में हैं।

यहजेकेल की हड्डियाँ और दस कुँवारियों के दृष्टान्त की बुद्धिमान कुँवारियाँ, दोनों ही इक्कीस दिनों के दौरान दानिय्येल के शोक द्वारा दर्शाई गई हैं। इक्कीस दिनों के बाद, बाइसवें दिन, मीकाएल उतरे, और दानिय्येल को महिमामय मसीह का ऐसा दर्शन दिया गया जिसने दानिय्येल को मसीह के स्वरूप में बदल दिया। बुद्धिमान कुँवारियों और मृत हड्डियों को भी दर्पण-सदृश दर्शन द्वारा सम्पन्न उस रूपांतरण से होकर गुजरना होगा।

दानिय्येल, यहजेकेल की मृत हड्डियाँ, और मिलराइट इतिहास की बुद्धिमान कुँवारियाँ—ये सब प्रकाशितवाक्य के ग्यारहवें अध्याय में मार दिए गए दो गवाहों से मेल खाते हैं। मूसा और एलिय्याह मार दिए गए थे, परन्तु साढ़े तीन प्रतीकात्मक दिनों के अंत में उनका पुनरुत्थान होना था। मूसा को मीकाएल ने पुनर्जीवित किया, जैसा कि यहूदा की पुस्तक में बताया गया है।

फिर भी महादूत मीकाएल ने, जब उसने शैतान के साथ मूसा के शरीर के विषय में विवाद किया, तो उसके विरुद्ध निन्दात्मक दोषारोपण करने का साहस नहीं किया, पर कहा, प्रभु तुझे धिक्कारे। यहूदा 1:9.

दानिय्येल के दसवें अध्याय में, दानिय्येल को दर्पण का दर्शन प्राप्त होता है, जब शोक के इक्कीस दिनों के बाद माइकल उतरता है। मृतकों को उठाने वाली आवाज माइकल की है।

क्योंकि स्वयं प्रभु आदेश की पुकार, प्रधान स्वर्गदूत की वाणी और परमेश्वर की तुरही के साथ स्वर्ग से उतरेगा; और जो मसीह में मरे हैं, वे पहले जी उठेंगे। 1 थिस्सलुनीकियों 4:16.

दानिय्येल का अध्याय दस, तीसरे स्वर्गदूत के लाओदीकियाई आंदोलन से तीसरे स्वर्गदूत के फिलाडेल्फियाई आंदोलन में होने वाले संक्रमण की पहचान करता है। यह प्रकाशितवाक्य अध्याय ग्यारह के दो गवाहों, यहजेकेल अध्याय सैंतीस की सूखी हड्डियों, दस कुँवारियों के दृष्टान्त की बुद्धिमान कुँवारियों, और उस दृष्टान्त को पूरा करने वाले मिलरवादियों के साथ मेल खाता है। गब्रिएल ने महान दर्पण-दर्शन की व्याख्या दी, और अध्याय नौ में आरंभ किए गए अपनी व्याख्या के कार्य को पूरा किया। यह व्याख्या गब्रिएल द्वारा अध्याय ग्यारह में पाई जाने वाली भविष्यसूचक इतिहास की पहचान करने से संपन्न हुई, जो वास्तव में अध्याय बारह की पहली तीन आयतों तक आगे बढ़ती है। फिर अध्याय बारह की चौथी आयत में, दानिय्येल से उसकी पुस्तक को मुहरबंद करने के लिए कहा जाता है।

दानिय्येल के अध्याय दस में, "पंक्ति दर पंक्ति", दानिय्येल परमेश्वर के अंतिम दिनों की प्रजा का प्रतिनिधित्व करता है, जिन्हें अध्याय दो में भी इस रूप में दर्शाया गया है कि वे (मृत्यु की धमकी के अधीन) नबूकदनेस्सर की गुप्त पशु-प्रतिमा द्वारा दर्शाए गए बाह्य भविष्यसूचक संदेश को समझने के लिए गंभीरता से खोज कर रहे हैं। वह तेईस सौ

दिनों द्वारा दर्शाए गए आंतरिक भविष्यसूचक संदेश के दर्शन को भी समझने की कोशिश कर रहा है। अध्याय दस में इक्कीस प्रतीकात्मक शोक के दिनों के बाद, अंततः उसे दोनों प्रकाशनों को समझते हुए दर्शाया गया है। उसकी समझ तब पूर्ण होती है जब महादूत उतरता है, और उसे तीन बार स्पर्श किया जाता है।

माइकल के साथ उसका अनुभव, माइकल का वह दर्शन जो केवल वही देखता है, उसे भविष्यवाणी के आंतरिक और बाह्य दोनों दर्शनों की पूर्ण व्याख्या ग्रहण करने के लिए तैयार करता है। वह अनुभव, यहजेकेल अध्याय सैंतीस, प्रकाशितवाक्य अध्याय ग्यारह और यशायाह अध्याय छह के साथ मिलाकर देखने पर, पंक्ति दर पंक्ति, अत्यंत विस्तार से प्रस्तुत किया गया है। अध्याय ग्यारह में वह पद जहाँ गैब्रियल उन दोनों दर्शनों को एक साथ जोड़ता है, पद दस है, क्योंकि वहाँ उत्तर का राजा दुर्ग तक तो बढ़ता है, पर उससे आगे नहीं जाता। उस पद में 'दुर्ग' से आशय राष्ट्र, या राजधानी, या मिस्र के राजा से है, जैसा कि यशायाह अध्याय सात में परिभाषित किया गया है।

क्योंकि सीरिया का प्रधान दमिश्क है, और दमिश्क का प्रधान रसीन है; और पैंसठ वर्ष के भीतर एप्रैम ऐसा चूर-चूर कर दिया जाएगा कि वह प्रजा न रहेगा। और एप्रैम का प्रधान शोमरोन है, और शोमरोन का प्रधान रमल्याह का पुत्र है। यदि तुम विश्वास न करोगे, तो निश्चय तुम स्थिर न किए जाओगे। यशायाह 7:8, 9.

दानियेल के ग्यारहवें अध्याय के दसवें पद में, उत्तर का राजा मिस्र की सीमा तक पहुँचता है, और वह पद उसे मिस्र (दक्षिण के राजा) के "गढ़" के रूप में परिभाषित करता है। यह प्रदर्शित किया जा सकता है कि दसवाँ पद 1989 का प्रतिनिधित्व करता है, जब सोवियत संघ को पोपसत्ता और उसकी प्रतिनिधि सेना, संयुक्त राज्य अमेरिका, द्वारा बहा दिया गया था। यह तीन प्रतिनिधि युद्धों में पहला था, जो अंततः तीसरे प्रतिनिधि युद्ध (पानियम) पर तृतीय विश्व युद्ध बन जाता है। दूसरा प्रतिनिधि युद्ध ग्यारहवें और बारहवें पदों द्वारा प्रस्तुत किया गया है, और वह अब यूक्रेन में घटित हो रहा है, जहाँ रूस दक्षिण के राजा का प्रतिनिधित्व कर रहा है, ठीक वैसे ही जैसे 1989 में अपनी पराजय में सोवियत संघ ने दक्षिण के राजा का प्रतिनिधित्व किया था।

मैंने अतीत में "शीत युद्ध" अभिव्यक्ति का प्रयोग इन तीन प्रतिनिधि युद्धों और विश्व युद्धों के बीच भेद स्पष्ट करने के लिए किया है। वास्तव में यूक्रेन में वास्तविक युद्ध चल रहा है, इसलिए यह वस्तुतः शीत युद्ध नहीं है, परन्तु यह पोपतंत्र और उसके सहयोगियों तथा रूस के बीच एक प्रतिनिधि युद्ध है। किन्तु एक तृतीय विश्व युद्ध होना है, जिसमें वस्तुतः प्रत्येक राष्ट्र को एक लक्ष्य माना जाएगा।

काश परमेश्वर के लोगों को उन हजारों शहरों पर आसन्न विनाश का एहसास होता, जो अब लगभग मूर्तिपूजा को समर्पित हो चुके हैं!...

अधर्मिता लगभग अपनी सीमा तक पहुँच चुकी है। भ्रम और अव्यवस्था ने संसार को भर दिया है, और शीघ्र ही मनुष्यों पर एक बड़ा आतंक आने वाला है। अंत बहुत निकट है। हम, जो सत्य को जानते हैं, हमें उस बात के लिए तैयार होना चाहिए जो शीघ्र ही एक अत्यंत अप्रत्याशित आघात की तरह संसार पर टूट पड़ेगी। रिव्यू एंड हेराल्ड, 10 सितंबर, 1903.

ग्यारहवीं और बारहवीं पदों में, दक्षिण का राजा रूस पोपसत्ता की प्रतिनिधि सेना को पराजित करेगा, जिसका प्रतिनिधित्व नाज़ी शासन द्वारा होता है, जो यूक्रेन के युद्ध-प्रयास का निर्देशन कर रहा है, और जिसे पोपसत्ता की पूर्ववर्ती प्रतिनिधि सेना, संयुक्त राज्य अमेरिका, का समर्थन प्राप्त है। द्वितीय विश्व युद्ध में, साम्यवादी रूस के विरुद्ध पोपसत्ता, अर्थात् उत्तर के राजा, की प्रतिनिधि सेना जर्मनी का नाज़ी शासन था, और वह प्रतिनिधि सेना हार गई थी, ठीक वैसे ही जैसे निकट भविष्य में वह यूक्रेन में फिर हार जाएगी।

तीसरा प्रॉक्सी युद्ध तेरह से पंद्रह पदों में निरूपित है, और प्राचीन इतिहास में पानीयुम के युद्ध द्वारा पूरा हुआ था। तीसरा प्रॉक्सी युद्ध संयुक्त राज्य अमेरिका द्वारा, जो पोपतंत्र की प्रॉक्सी सेना है, संचालित किया जाएगा, और उत्तर का राजा उस युद्ध में नास्तिकता के विरुद्ध वैसे ही विजयी होगा, जैसा वह प्रथम प्रॉक्सी युद्ध (शीत युद्ध) में हुआ था। प्रथम और तृतीय प्रॉक्सी युद्ध में, उत्तर का राजा—पोपतंत्र—दक्षिण के राजा (सोवियत संघ) को पराजित करता है,

और उसके बाद संयुक्त राष्ट्र को पराजित करता है। उन दोनों युद्धों में उसकी प्रॉक्सी सेना संयुक्त राज्य अमेरिका थी और फिर होगी।

यूक्रेन में पुतिन की विजय के पश्चात्, ट्रम्प आठवें राष्ट्रपति के रूप में पुनः निर्वाचित होगा, अर्थात् उन सात राष्ट्रपतियों में से जो पहली प्रॉक्सी युद्ध (शीत युद्ध) की 1989 में पूर्ति होने के बाद से संयुक्त राज्य अमेरिका में राज्य कर चुके हैं, जो कि तीसरे स्वर्गदूत के सुधार आंदोलन के लिए अन्त का समय था। ट्रम्प पृथ्वी के पशु पर रिपब्लिकन सींग का प्रतिनिधित्व करता है, और 2020 में “वोक” नास्तिकता के पशु के हाथों उसने एक घातक घाव पाया, जो प्रकाशितवाक्य अध्याय ग्यारह के दो साक्षियों के मार्ग में मार डाले जाने की पूर्ति में हुआ।

फ्यूचर फॉर अमेरिका उसी इतिहास के दौरान सच्चे प्रोटेस्टेंट सींग का प्रतिनिधित्व करता है, और 2020 में, फ्यूचर फॉर अमेरिका को ‘वोक’ नास्तिकता के पशु के हाथों एक घातक घाव मिला। 2023 में, 2001 के बाईस वर्ष बाद, माइकल उतरे ताकि यहजेकेल, यूहन्ना, दानिय्येल और यशायाह द्वारा दर्शाई गई उस प्रक्रिया की शुरुआत करें, जिसके द्वारा एक शक्तिशाली सेना को पुनर्जीवित किया जाएगा, जिसे शीघ्र आने वाले रविवार के कानून के समय एक पताका के रूप में ऊपर उठाया जाएगा।

1856 में फिलाडेल्फियाई मिलेराइट आंदोलन लाओदीकियाई मिलेराइट आंदोलन में परिवर्तित हो गया, और वहीं तथा उसी समय उसने “सात कालों” के बढ़े हुए ज्ञान को अस्वीकार कर दिया, और फिर 1863 में अपने विद्रोह को पूर्णतः अंतिम रूप दे दिया। मिलेराइट लोग उस दशा से, जिसका प्रतिनिधित्व फिलाडेल्फिया की छठी कलीसिया करती है, सातवीं कलीसिया के अनुभव में प्रविष्ट हुए, और वह मोड़ 2023 के इतिहास के साथ संरेखित होता है, जब Future for America का लाओदीकियाई आंदोलन सातवीं कलीसिया के अनुभव से वापस फिलाडेल्फिया की छठी कलीसिया के अनुभव में परिवर्तित होता है। इस भविष्यवाणीगत अनुप्रयोग में, सच्चा प्रोटेस्टेंट सींग, रिपब्लिकन सींग के समान, आठवाँ बन जाता है, जो उन सात में से था।

यह पहचानने की कुंजी कि यूक्रेनी युद्ध दूसरा प्रतिनिधि युद्ध है, पद दस और पद सात का “गढ़” है। पद सात में, जो 1798 में पोपशाही को उसके घातक घाव के प्राप्त होने का प्रतिनिधित्व करता है, दक्षिण का राजा उत्तर के राजा के “गढ़” में प्रवेश कर गया, और यह तब पूर्ण हुआ जब नेपोलियन का सेनापति वेटिकन में प्रवेश करके पोप को बंदी बनाकर ले गया। दक्षिण का राजा गढ़ में प्रवेश कर चुका था। पद दस में उत्तर का राजा, जो पोपशाही तथा उसकी प्रतिनिधि सेना संयुक्त राज्य अमेरिका का प्रतिनिधित्व करता है, सोवियत संघ की संरचना को बहा ले गया, परन्तु उसने “गढ़” को खड़ा रहने दिया। “गढ़” उसका शीर्ष, उसकी राजधानी था—वह रूस था।

परन्तु 'सिर' या 'दुर्ग' को केवल दो या तीन गवाहों के आधार पर ही, यशायाह अध्याय सात के पद सात और आठ का उपयोग करके, स्थापित किया जा सकता है। यशायाह सात के पद आठ और नौ, 1856 में प्रकाशित हाइरम एडसन की 'सात समय' पर लेखमाला के प्रमुख संदर्भ रहे। वे दो पद, जो यह स्थापित करते हैं कि वर्तमान यूक्रेन युद्ध में प्रबल रहने वाला दुर्ग रूस है, वही दो पद इस्राएल के उत्तरी और दक्षिणी राज्यों के विरुद्ध दोनों 'सात समय' के आरंभ बिंदु को भी स्थापित करते हैं। अध्याय ग्यारह का पद दस बाहरी दर्शन को चिन्हित करता है, जिसके विषय में सिस्टर वाइट सिखाती हैं कि वह राज्यों के उत्थान और पतन पर आधारित है।

दानिय्येल और प्रकाशितवाक्य की पुस्तकों में राष्ट्रों के उत्थान और पतन को जिस प्रकार स्पष्ट किया गया है, उससे हमें यह सीखना चाहिए कि मात्र बाहरी और सांसारिक महिमा कितनी निरर्थक है। बाबुल अपनी सारी शक्ति और वैभव के साथ—जिसके समान हमारी दुनिया ने तब से अब तक कभी नहीं देखा,—वह शक्ति और वैभव जो उस समय के लोगों को इतने स्थिर और स्थायी प्रतीत होते थे,—कितनी पूरी तरह वह लुप्त हो गया है! ‘घास के फूल’ के समान वह नाश हो गया है। याकूब 1:10। इसी प्रकार मादी-फारसी राज्य, और यूनान तथा रोम के राज्य भी नष्ट हो गए। और इसी प्रकार वह सब कुछ नाश हो जाता है जिसका आधार परमेश्वर नहीं है। केवल वही स्थिर रह सकता है जो उसके उद्देश्य से बंधा हो और उसके चरित्र को प्रकट करता हो। उसके सिद्धांत ही वे एकमात्र स्थिर बातें हैं जिन्हें हमारी दुनिया जानती है। भविष्यद्वक्ता और राजा, 548.

तीन प्रतिनिधि युद्ध “दानियेल और प्रकाशितवाक्य की पुस्तकों में स्पष्ट किए गए हैं,” और इस सत्य की कुंजी दानियेल ग्यारह के दसवें पद का “गढ़” है। परन्तु दसवाँ पद आन्तरिक दर्शन को भी सम्बोधित करता है, क्योंकि दोनों “सात काल” का प्रारम्भिक बिन्दु यशायाह अध्याय सात के आठवें और नौवें पदों में भी पहचाना गया है। बाह्य और आन्तरिक को अलग नहीं किया जा सकता, और दो हज़ार पाँच सौ बीस वर्षों की ये दोनों अवधियाँ यहजेकेल की दो लाठियाँ भी हैं, जो जब एक साथ जोड़ दी जाती हैं, तब वे एक लाख चवालीस हज़ार के मुद्रांकन का प्रतिनिधित्व करती हैं, जो मानवता के साथ दिव्यता के संयोग को दर्शाता है।

कारक “मराह” दर्शन के साथ दानियेल का अनुभव उस भविष्यवाणी-रेखा का प्रतिनिधित्व करता है जिसमें मीकाएल उतरता है और अपने अंतिम-दिनों के लोगों को पुनर्जीवित करता है। वह पुनरुत्थान उन चरणों का प्रतिनिधित्व करता है जिन्हें मसीह अपने दिव्यत्व को अपने अंतिम-दिनों के लोगों की मनुष्यता के साथ संयुक्त करने के लिए पूरा करता है। यह ईश्वरीय मन के मानवीय मन के साथ संयोग के द्वारा संपन्न होता है, ताकि उनका एक ही मन हो; और यह सिंहासन-कक्ष में, परम-पवित्र स्थान में संपन्न होता है, जो वह “गढ़” है जिसे सिस्टर व्हाइट आत्मा का “दुर्ग” (गढ़) के रूप में पहचानती हैं।

सिंहासन कक्ष में परमेश्वर के अंतिम समय के लोग मसीह का मन प्राप्त करते हैं और फिर मसीह के साथ स्वर्गीय स्थानों में बैठाए जाते हैं। जहाँ मसीह बैठा है, वह स्वर्गीय स्थान मंदिर का दुर्ग अथवा उसका शीर्ष है। शरीर-मंदिर का एक निम्न स्वभाव है, जो देह अर्थात् शरीर है। इसका एक उच्च स्वभाव भी है, जो मन है। दानियेल की पुस्तक के अध्याय ग्यारह की दसवीं आयत में, बाहरी दर्शन के दुर्ग को चिह्नित करने वाली कुंजी, आंतरिक दर्शन के दुर्ग को भी चिह्नित करती है, और ऐसा करते हुए वह उस इतिहास की पहचान कराती है, जहाँ गणतंत्रवाद और प्रोटेस्टेंटवाद के सींग ‘पशु की प्रतिमा’ (गणतंत्रवाद) या ‘परमेश्वर की प्रतिमा’ (सच्चा प्रोटेस्टेंटवाद) में परिवर्तित होते हैं। तब दोनों सींग ‘सात में से’ आठवें बन जाते हैं।

तब प्रोटेस्टेंटवाद का सच्चा सींग फिलाडेल्फियाई सींग है, जो यहजेकेल की पराक्रमी सेना है, और यशायाह का वह ध्वज है जो पहले संयुक्त राज्य अमेरिका में और फिर संसार में पशु की मूरत के विरुद्ध युद्ध में ऊँचा उठाया जाता है। दानियेल ग्यारह, पद दस, पवित्र इतिहास के उस बिंदु की पहचान करता है जहाँ लाठियों का जुड़ना आरम्भ होता है। यूक्रेनी युद्ध 2014 में आरम्भ हुआ, परन्तु 2022 तक रूस ने यूक्रेन पर आक्रमण करना आरम्भ नहीं किया। 2023 में, 2001 के बाईस वर्ष बाद, मीखाएल ने उन लोगों को पुनर्जीवित करने का अपना कार्य आरम्भ किया जिन्होंने 2020 में दस कुँवारियों के दृष्टान्त की पूर्ति में अपनी पहली निराशा सही थी। उसने पहले एक “शब्द” को उठाया, जो अब जंगल में पुकार रहा है। जुलाई 2023 में, वह शब्द पुकारने लगा, और वही शब्द था जिसे 1989 में तीसरे स्वर्गदूत के सुधार आंदोलन के आरम्भ में उठाया गया था, क्योंकि यीशु सदैव अन्त को आरम्भ के द्वारा दृष्टान्त रूप में प्रकट करता है।

जंगल में पुकारनेवाली “आवाज़” ने प्रकाशितवाक्य के प्रथम अध्याय को प्रस्तुत करते हुए ध्वनित होना आरम्भ किया, जहाँ देवत्व और मनुष्यता का संयोजन यीशु मसीह के प्रकाशितवाक्य के रूप में निरूपित है—एक ऐसा प्रकाशन जो अनुग्रह-अवधि के समाप्त होने से ठीक पहले खोला जाता है। दानियेल ने दसवें अध्याय में, “कारक” दर्शन के साथ, उस प्रकाशन का अनुभव किया। प्रथम उल्लेख के नियम के आधार पर, प्रकाशितवाक्य के आरम्भिक पदों में देवत्व और मनुष्यता का संयोजन सबसे महत्त्वपूर्ण सत्य का प्रतिनिधित्व करता है। देवत्व और मनुष्यता का यह संयोजन, जो एक लाख चवालीस हजार की मुहरबन्दी है, परमेश्वर के वचन के द्वारा संपन्न होता है। वह वचन पिता से पुत्र को दिया जाता है, जो उसे अपने स्वर्गदूत को देता है, और वह तब उस सन्देश को एक मानवीय प्रतिनिधि को देता है। पहले दो चरण देवत्व के द्वारा निरूपित हैं। उन दो चरणों की यह विशिष्टता है कि देवत्व का दूसरा चरण उस देवत्व का प्रतिनिधित्व करता है जिसने सब वस्तुओं की सृष्टि की। अगले दो चरण परमेश्वर की सृष्टि के प्राणियों के द्वारा निरूपित हैं। पहला चरण एक अपतित स्वर्गदूत है, और परमेश्वर की सृष्टि की दूसरी अभिव्यक्ति वह थी जिसे अपने ही प्रकार के अनुसार पुनः उत्पन्न करने की सामर्थ्य दी गई थी। तब वह चौथा चरण, जो मनुष्यता का प्रतिनिधित्व करता है, उस सन्देश को लेकर कलीसियाओं के पास भेजनेवाला था, ताकि कलीसियाएँ उन बातों को “पढ़ें और सुनें” जो उसमें

लिखी गई थीं।

हम इस अध्ययन को अगले लेख में जारी रखेंगे।

यीशु मसीह का प्रकाशन, जो परमेश्वर ने उसे दिया ताकि वह अपने दासों को वे बातें दिखाए जो शीघ्र होने वाली हैं; और उसने इसे अपने दूत के द्वारा अपने दास यूहन्ना के पास भेजकर संकेतित किया। जिसने परमेश्वर के वचन, और यीशु मसीह की साक्षी, और जो कुछ उसने देखा, उन सब का प्रमाण दिया। धन्य है वह जो पढ़ता है, और वे जो इस भविष्यद्वाणी के वचन सुनते हैं और जो उसमें लिखी बातों को मानते हैं; क्योंकि समय निकट है। एशिया में जो सात कलीसियाएँ हैं, उनके नाम यूहन्ना की ओर से: उस की ओर से जो है, और जो था, और जो आने वाला है; और उसके सिंहासन के सामने जो सात आत्माएँ हैं, उनकी ओर से; और यीशु मसीह की ओर से भी, जो विश्वासयोग्य साक्षी है, मरे हुएों में से पहिलौठा है, और पृथ्वी के राजाओं का अधिपति है। उसी ने हम से प्रेम किया, और अपने ही लहू में हमारे पापों से हमें धुला दिया, और हमें परमेश्वर, उसके पिता, के लिये राज्य और याजक बना दिया; उसी की महिमा और प्रभुता युगानुयुग बनी रहे। आमीन। देखो, वह बादलों के साथ आता है; और हर एक आँख उसे देखेगी, और वे भी जिन्होंने उसे बेधा था; और पृथ्वी के सब गोत्र उसके कारण छाती पीटेंगे। निःसंदेह, आमीन। मैं अल्फा और ओमेगा हूँ, आदि और अन्त, प्रभु कहता है, जो है, और जो था, और जो आने वाला है, सर्वशक्तिमान। मैं यूहन्ना, जो तुम्हारा भाई और यीशु मसीह में क्लेश, और राज्य, और धैर्य में तुम्हारा सहभागी हूँ, परमेश्वर के वचन और यीशु मसीह की साक्षी के कारण पत्मोस कहलाने वाले टापू में था। मैं प्रभु के दिन आत्मा में था, और अपने पीछे से तुरही के समान एक बड़ी ध्वनि सुनी, जो कहती थी, मैं अल्फा और ओमेगा, पहला और आखिरी हूँ; और जो कुछ तू देखता है, उसे एक पुस्तक में लिख, और एशिया की सात कलीसियाओं—इफिसुस, स्मुर्ना, पेरगमुम, थुआतीरा, सार्दिस, फिलदेल्फिया, और लौदिकिया—को भेज। प्रकाशितवाक्य 1:1-11।